भारत सरकार

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3812

दिनांक 11 अगस्त, 2023 को उत्तर के लिए

पोषण कार्यक्रम का प्रभाव

3812. श्री एम. बदरुद्दीन अजमल:

क्या **महिला और बाल विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा कार्यान्वित किए जा रहे 'पोषण 2.07 कार्यक्रम के उद्देश्य और प्रयोजन क्या हैं और समाज पर इसका अब 'तक क्या प्रभाव पड़ा है;

(ख) इस योजना के अंतर्गत किन-किन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है और किनका समाधान किया गया है तथा इसके कार्यान्वयन और चुनौतियों से निपटने के लिए कार्यनीति और दिशानिर्देशों सहित ध्यान देने योग्य मुख्य क्षेत्रों का ब्यौरा क्या है;

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान इस योजना के लिए वर्ष-वार और राज्य-वार कितनी धनराशि आबंटित और उपयोग की गई; और

(घ) क्या सरकार ने इस योजना का लाभ उठाने के लिए विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को इस योजना के बारे में जागरुक करने के लिए पहल की है?

उत्तर

श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी **महिला एवं बाल विकास मंत्री**

(**क**) : मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 **(**अब से **'**मिशन पोषण 2.0**')** एक एकीकृत पोषण सहायता कार्यक्रम है जिसे बच्चों**,** किशोरियों**,** गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं में कुपोषण की चुनौतीपूर्ण स्थिति के सामाधान के लिए सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के लिए 2021 में शुरू किया गया था। मिशन का उद्देश्य भारत की मानव पूंजी का विकास करना और कुपोषण में कमी के लिए जीवनचक्र दृष्टिकोण को अपनाते हुए तीन मौजूदा स्कीमों (आंगनवाड़ी सेवाएं**,** पोषण अभियान और किशोरियों के लिए स्कीम) को एकीकृत करना है। इस कार्यक्रम के तहत, 13.9 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों(एडब्ल्यूसी) को शामिल किया गया है जो लगभग **10.11 करोड़ लाभार्थियों** (गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और 6 साल तक के बच्चों) को सेवाएं प्रदान करते हैं। इसके अलावा, किशोरी स्कीम के हिस्से के रूप में पूर्वोत्तर और आकांक्षी जिलों की लगभग **22.87 लाख** किशोरियां (14-18 वर्ष) पोषण ट्रैकर एप्लिकेशन पर पंजीकृत

हैं। इसके अलावा, **93.97% लाभार्थियों को अंतिम मील ट्रैकिंग और सेवाओं के प्रदायगी को सुनिश्चित करने के लिए आधार सत्यापित** किया गया है।

(**ख**) : चालू पोषण कार्यक्रम में विभिन्न अंतरालों और कमियों को दूर करने और पोषण और बाल विकास परिणामों में तेजी लाने के साथ-साथ कार्यान्वयन में सुधार करने की दृष्टि से, पोषण 2.0 के तहत मौजूदा स्कीम घटकों को पुनर्गठित किया गया है। यह अकेले कैलोरी पर्याप्तता से फोकस परिवर्तित करके उन प्रथाओं पर ध्यान केंद्रित करता है जो स्वास्थ्य, कल्याण और प्रतिरक्षा का पोषण करती हैं। यह शिशु और छोटे बच्चे की आहार प्रथाएं (स्तनपान और पूरक पोषण सहित), मातृ और किशोर पोषण, कुपोषित बच्चों या गंभीर तीव्र कुपोषित (एसएएम)/मध्यम तीव्र कुपोषित (एमएएम) बच्चों का उपचार और आयुष पद्धतियों को प्रोत्साहन देने पर फोकस करती है।

पोषण 2.0 चार प्रमुख कार्यनीतियों हैं :

- व्यवहार परिवर्तन और स्थानीय भागीदारी के लिए संचार कार्यनीतियाँ
- पोषण जागरूकता कार्यनीतियाँ
- पोषण से संबंधित कमियों का समाधान करने वाली सुधारात्मक कार्यनीतियाँ
- हरित पारिस्थितिकी तंत्र सृजित करने की कार्यनीतियाँ

पोषण 2.0 के प्रभावी कार्यान्वयन और सुचारू प्रचालन को सुनिश्चित करने के लिए, मंत्रालय ने दिनांक 01.08.2022 को सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को प्रचालनात्मक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसके अलावा, पूरक पोषण के प्रदायगी में पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए और 13.01.2021 को पोषण संबंधी परिणामों को ट्रैक करने के लिए सुव्यवस्थित दिशानिर्देश भी जारी किए गए थे। पोषण ट्रैकर, एक आईटी एप्लीकेशन, को मिशन पोषण 2.0 के तहत करीब वास्तविक समय प्रगति निगरानी के लिए 1 मार्च, 2021 को शुरू किया गया था। पोषण ट्रैकर के तहत बच्चों में ठिगनापन, दुबलापन और अल्पवज़न की व्याप्तता की गतिशील पहचान और पोषण सेवा प्रदायगी की अंतिम मील तक ट्रैकिंग के लिए तकनीकी का लाभ लिया उठाया जा रहा है। पोषण ट्रैकर निर्धारित संकेतकों के संबंध में अनुमानित वास्तविक समय निगरानी को समर्थ बनाता है।

(ग) : विगत तीन वर्षों के दौरान पोषण 2.0 के अंतर्गत जारी और उपयोग की गई निधियों का ब्यौरा क्रमश: **अनुलग्नक-I और II** में दिया गया है।

(घ) : पोषण 2.0 के तहत, शुरू की गई प्रमुख गतिविधियों में से एक सामुदायिक जुटाव और जागरूकता एडवोकेसी है जो पोषण संबंधी पहलुओं पर लोगों को शिक्षित करने के लिए जन आंदोलन में सहायक है। समुदाय आधारित घटनाओं या सीबीई ने पोषण प्रथाओं को बदलने में एक महत्वपूर्ण कार्यनीति के रूप में कार्य किया है। सीबीई गर्भवती महिलाओं और दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों के जीवन में महत्वपूर्ण

उपलब्धियां मनाने में मदद करते हैं और अन्य बातों के साथ-साथ पूरक आहार और आहार विविधता के साथ उचित पूरक आहार सुनिश्चित करने के लिए सही समय पर महत्वपूर्ण जानकारी का प्रसार करते हैं। अब तक लगभग 3.70 करोड़ समुदाय आधारित कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

महत्वपूर्ण विषयों के संबंध में क्षेत्रीय भाषाओं में वीडियो, पैम्फलेट, फ्लायर्स आदि के रूप में **आईईसी सामग्री** तैयार की गई है। राष्ट्रीय स्तर पर, ***राष्ट्रीय पोषण माह*** देश भर में **सितंबर** के महीने में मनाया जाता है जबकि ***पोषण पखवाड़ा*** मार्च में मनाया जाता है। समय के साथ-साथ विषयों में समग्र पोषण, स्वच्छता, पानी और स्वच्छता, एनीमिया की रोकथाम, स्तनपान का महत्व, पूरक आहार आदि शामिल किए गए हैं। हाल ही में आयोजित पोषण पखवाड़े 2023 के दौरान, विशेष रूप से श्री अन्न/बाजरा(मोटा अनाज) के प्रचार और इन्हें लोकप्रिय बनाने, स्वस्थ बालक स्पर्धा का उत्सव, सक्षम आंगनवाड़ियों को लोकप्रिय बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया था। पखवाड़े 2023 के दौरान लगभग **4.89 करोड़** संवेदीकरण गतिविधियां आयोजित की गई हैं। विगत पोषण माह 2022 में, पोषण और अच्छे स्वास्थ्य पर प्रसार और जागरूकता पैदा करने के लिए मंच के रूप में कार्य करने के लिए ग्राम पंचायतों को प्रेरित करने पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया गया था, जिसमें लगभग 17.57 करोड़ गतिविधियां आयोजित की गई थीं।

*****

अनुलग्नक-I

एसएनपी के तहत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा निर्मुक्त और प्रयुक्त की गई निधियां

(रुपये लाख में)

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	एसएनपी (2020-21 से 2022-23)	
	निर्मुक्त निधि	प्रयुक्त निधि
आंध्र प्रदेश	116041.63	79364.08
बिहार	269170.41	184681.13
छत्तीसगढ़	77814.31	50475.47
गोवा	1987.5	1301.77
गुजरात	145820.92	95294.45
हरियाणा	16791.57	14233.25
झारखंड	60276.43	19397.33
कर्नाटक	157204.2	119679.19
केरल	52962.65	36016.23
मध्य प्रदेश	181892.47	110751.54
महाराष्ट्र	273746.53	185093.09
ओडिशा	144694.96	95934.92
पंजाब	15439.91	10068.31
राजस्थान	129089.74	80127.35
तमिलनाडु	113718.47	76981.63
तेलंगाना	74632.04	50916.98
उत्तर प्रदेश	467075.95	241997.15
पश्चिम बंगाल	164184.67	111306.57
दिल्ली	22706.41	14235.23
पुद्दुचेरी	0	605.65
हिमाचल प्रदेश	17856.58	12597.45
जम्मू और कश्मीर	15035.11	8088.33
उत्तराखंड	46288.1	31011.62
अंडमान और निकोबार	609.65	639.81
चंडीगढ़	3664.39	2114.17
दादरा और नगर हवेली एवं दमन व दीव	1265.42	816.27
लद्दाख	1454.06	831.35
लक्षद्वीप	280.15	262.29
अरुणाचल प्रदेश	12215.37	7613.07
असम	213002.1	143139.04
मणिपुर	20355.8	14485.41
मेघालय	34237.33	22574.67
मिजोरम	5295.04	4125.65
नागालैंड	25383.82	16465.79
सिक्किम	872.4	1009.44
त्रिपुरा	19007.72	13140.04
कुल	**2902073.81**	**1857375.72**

अनुलग्नक-।।

पोषण अभियान के तहत निर्मुक्त और प्रयुक्त धनराशि

(रुपये लाख में)

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	पोषण अभियान	
	निर्मुक्त निधि (2020-21 से 2022-23)	प्रयुक्त निधि (31.03.2023 तक)
अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	666.42	413.54
आंध्र प्रदेश	3597.4	17560.81
अरुणाचल प्रदेश	114.3	1064.21
असम	1021.54	28032.7
बिहार	5752.24	48380.32
चंडीगढ़	379.07	785.38
छत्तीसगढ़	872.58	10222.43
दादरा और नागर हवेली और दमन व दीव	18.22	918.69
दिल्ली	188.6	3147.94
गोवा	21.84	331.65
गुजरात	50.4	29606.42
हरियाणा	437.59	6664.26
हिमाचल प्रदेश	194.38	9176.74
जम्मू और कश्मीर	511.44	9160.82
झारखंड	33.6	5467.55
कर्नाटक	2801.18	13221.94
केरल	4737.31	10400.8
लद्दाख	20.71	9.94
लक्षद्वीप	101.35	356.05
मध्य प्रदेश	3737.95	20087.83
महाराष्ट्र	1850.72	43714.39
मणिपुर	190.61	3714.79
मेघालय	524.99	5073.38
मिजोरम	753.48	3212.43
नागालैंड	4250.79	5263.99
ओडिशा	12893.05	25009.22
पुदुचेरी	14.43	361.22
पंजाब	23.25	5969.64
राजस्थान	1064.28	23227.86
सिक्किम	20.92	1370.99
तमिलनाडु	11787.6	21879.36
तेलंगाना	2307.15	21495.19
त्रिपुरा	259.64	3774.79
उत्तर प्रदेश	2914.04	50652.81
उत्तराखंड	1264.16	12684.11
पश्चिम बंगाल	1998.1	0
कुल	**67375.33**	**442414.19**